



SHRI MUMTAZ ALI (SRI M.)

Shri Mumtaz Ali is the Founder-President of The Satsang Foundation, Bangalore, a charitable organisation, dedicated to spread the awareness of the wisdom of ancient India, the truths discovered by the Rishis of yore as found in the Upanishads, The Gita and the treatises on the Science of Yoga.

2. Born on 6th November, 1949, in Kerala, Sri M, as he is popularly known completed his education in the well-known Model High School, Trivandrum and the Loyola College, Trivandrum. At the age of 19, pulled by the irresistible spiritual urge, Sri M travelled the snow-clad Himalayas where he met his spiritual Guru Sri Maheshwarnath of the Nath lineage and spent 3 years learning under him and continued to be his disciple till his Master breathed his last in the 1980s.

3. Sri M started The Satsang Foundation in the late nineties to perform his work of broadcasting the spiritual wisdom of the ancient teaching of the Rishis as taught by his teacher and as instructed by him. The Foundation also serves the under-privileged members of society and provides free quality education and vocational training to those who cannot afford it otherwise. Several educational institutions are being run by the Satsang Foundation including the Peepal Groove School, an English medium, co-educational, residential school run on the lines of innovative education with spoken Sanskrit & Yoga as special subjects; The Satsang Vidyalayas — free schools in and around Madanpallie, Andhra Pradesh, for under-privileged; the Bharat Yoga Vidya Kendra — for teaching Yoga & Meditation. Sri M has also been in the forefront of developing inter-communal & inter-faith harmony through the Manav Ekta Mission.

4. Sri M's autobiography, 'Apprenticed to a Himalayan Master — A Yogi's autobiography' is an all-time best-seller, translated into all major Indian languages and also in Russian, German, Dutch, Italian and Japanese. His other works are, 'Wisdom of the Rishis 1,2 & 3', On Meditation — Finding Infinite Bliss and Power Within', 'Shunya — A Novel' in English.

5. In 2015-16, Sri M undertook a padyatra from Kanyakumari in the southern end of India to Srinagar, Kashmir — walking across the whole of India, for Peace and Unity — called The Walk of Hope, it took 1 year and 3 months and covered 7,500 km. He was a delegate at the United Nations Conference for Peace Inter-Religious Harmony in United Nations Head Quarter in New York in 2001. Sri M has been traveling all over the world speaking on Wisdom and Lineage of India and giving practical instructions on Yoga & Meditation.

6. Sri M has been the recipient of several awards including Dr. A.P.J. Abdul Kalam Award for Environmental Protection, The Yoga Ratna Award conferred on him at the British House of Commons and the Jamnalal Bajaj Award for Communal Harmony.





श्री मुमताज़ अली (श्री एम.)

श्री मुमताज़ अली एक धर्मार्थ संगठन, द सत्संग फाउंडेशन, बैंगलोर के संस्थापक–अध्यक्ष हैं। यह फाउंडेशन सनातन भारत के ज्ञान, उपनिषदों, गीता और योग विज्ञान ग्रंथों में प्राचीन ऋषियों द्वारा खोजे गए सत्य के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है।

2. 6 नवंबर, 1949 को केरल में जन्मे, श्री एम. के रूप में लोकप्रिय श्री मुमताज अली ने प्रसिद्ध मॉडल हाई स्कूल, त्रिवेंद्रम और लोयोला कॉलेज, त्रिवेंद्रम से अपनी शिक्षा पूरी की। 19 वर्ष की आयु में, तीव्र आध्यात्मिक जिज्ञासा के कारण, श्री एम. ने बर्फ से ढके हिमालय की यात्रा की, जहाँ उन्होंने नाथ संप्रदाय के अपने आध्यात्मिक गुरु श्री महेश्वरनाथ से भेंट की और 3 वर्ष तक उनके संरक्षण में साधना करते रहे। वह 1980 के दशक में अपने गुरु के अंतिम सांस लेने तक उनके शिष्य बने रहे।

3. श्री एम. ने अपने गुरु की सीख और उनके आदेश के अनुसार, ऋषियों के प्राचीन आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार–प्रसार का कार्य करने के लिए, नब्बे के दशक के उत्तरार्ध में सत्संग फाउंडेशन की स्थापना की। फाउंडेशन समाज के गरीब लोगों की भी सेवा करता है और ऐसे लोगों को बेहतर शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण मुफ्त में प्रदान करता है जो इसका वहन नहीं कर सकते हैं। सत्संग फाउंडेशन द्वारा कई शिक्षा संस्थान चलाए जा रहे हैं जिनमें अंग्रेजी माध्यम और सहशिक्षा वाला आवासीय स्कूल, पीपल ग्रूव स्कूल है जिसे विशेष विषयों के रूप में, मौखिक संस्कृत और योग के साथ नवीन शिक्षा की तर्ज पर चलाया जाता है; मदनपल्ली, आंध्र प्रदेश में और उसके आसपास निर्धन वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क सत्संग विद्यालय; योग और ध्यान सिखाने के लिए भारत योग विद्या केंद्र शामिल हैं। श्री एम. मानव एकता मिशन के माध्यम से परस्पर सांप्रदायिक और धार्मिक सौहार्द पैदा करने में भी सबसे आगे रहे हैं।

4. श्री एम. की आत्मकथा, 'अप्रेंटिस्ड टू ए हिमालयन मास्टर–ए योगीज ऑटोबायोग्राफी' अब तक की बेस्ट–सेलर पुस्तक है, जिसका अनुवाद सभी प्रमुख भारतीय भाषाओं में और रूसी, जर्मन, डच, इतालवी और जापानी में भी किया गया है। उनकी अन्य कृतियाँ अंग्रेजी में, 'विजडम ऑफ द रिसीज 1,2 और 3', 'ऑन मेडिटेशन– फाइंडिंग इनफिनिट ब्लिस एंड पावर विदिन', 'शून्य–ए नॉवेल' हैं।

5. 2015–16 में, श्री एम. ने शांति और एकता के लिए दक्षिणी भारत के छोर कन्याकुमारी से श्रीनगर, कश्मीर तक पूरे भारत की पदयात्रा की, इसे 'द वॉक ऑफ होप' कहा गया। इस पदयात्रा में एक वर्ष और तीन महीने का समय लगा और 7,500 कि.मी. की दूरी तय की गई। उन्होंने 2001 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र शांति अंतर–धार्मिक सद्भाव सम्मेलन में एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। श्री एम. भारतीय ज्ञान और परम्परा पर भाषण तथा योग और ध्यान पर व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए दुनिया भर की यात्रा करते रहे हैं।

6. श्री एम. को डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं जिनमें ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रदान किया गया द योग रत्न पुरस्कार और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए जमनालाल बजाज पुरस्कार शामिल हैं।